अध्याय पंचम

शोध सारांश निष्कर्ष एवं सुझाव

अध्याय पंचम

शोध सारांश निष्कर्ष एवं सुझाव

5.1 प्रस्तावना

सारांश किसी भी अध्याय को संक्षिप्त करने का प्रयास होता है। जिसके द्वारा अध्याय को संक्षिप्त व सरल रूप में समझा जा सकें। इस अध्याय में लघुशोध का सारांश एवं अध्याय चार में दिये गये आँकड़ों के विश्लेषण से प्राप्त निष्कर्ष एवं भविष्य में किये जाने वाले अध्ययन संबंधी सुझावो को प्रस्तुत किया गया है। जिसमें शोध क्षेत्र, शोध समस्या, शोध उद्देश्य, शोध विधि, शोध में प्रयोग सांख्यिकी तथा शोध की रूप रेखा का संक्षिप्त विवरण दिया जाता है।

5.2 समस्या कथन

"कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों का सामाजिक परिवेश, संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के संबंधों का अध्ययन"।

5.3 शोध के चर

1. सामाजिक परिवेश
2. संवेगात्मक बुद्धि
3. शैक्षिक उपलब्धि

अन्य या जनांकिक चर

1. छात्र–छात्राऐं
2. शासकीय–अशासकीय विद्यालय
3. सी.बी.एस.सी. एवं म.प्र. बोर्ड

5.4 शोध के उद्देश्य

1. कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों का सामाजिक परिवेश का अध्ययन करना।

2. कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों का संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन करना।

3. कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों का शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन करना।

4. कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों का सामाजिक परिवेश एवं संवेगात्मक बुद्धि के मध्य संबंधों का अध्ययन करना।

5. कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों का सामाजिक परिवेश एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्यसंबंधों का अध्ययन करना।

6. कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों का संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य संबंधों का अध्ययन करना।

7. कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों का सामाजिक परिवेश, संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक अंतर का अध्ययन करना।

5.5 शोध की परिकल्पना

1. कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों का सामाजिक परिवेश एवं संवेगात्मक बुद्धि के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

2. कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों का सामाजिक परिवेश एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

3. कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों का संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

शोध की उप परिकल्पना

1. कक्षा 9वीं के छात्र–छात्राओं का सामाजिक परिवेश मे सार्थक अंतर नहीं है।

2. कक्षा 9वीं के छात्र–छात्राओं का संवेगात्मक बुद्धि मे सार्थक अंतर नहीं है।

3. कक्षा 9वीं के छात्र–छात्राओं का शैक्षिक उपलब्धि मे सार्थक अंतर नहीं है।

4. कक्षा 9वीं के शासकीय–अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों का सामाजिक परिवेश मे सार्थक अंतर नहीं है।

5. कक्षा 9वीं के शासकीय–अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों का संवेगात्मक बुद्धि मे सार्थक अंतर नहीं है।

6. कक्षा 9वीं के शासकीय–अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों शैक्षिक उपलब्धि मे सार्थक अंतर नहीं है।

5.6 शोध के न्यादर्श एवं शोध पद्धति

प्रस्तुत शोध का न्यादर्श शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय से प्राप्त किया गया था। यह शोध विवरणात्मक पद्धति द्वारा किये जाने वाला शोध है। इसमें सर्वे अध्ययन का उपयोग किया गया है। शोध हेतु विद्यालय का चयन स्तरीकृत यादृच्छिक विधि से चयन किया गया है। विद्यार्थियों के चयन हेतु स्तरीकृत (लाटरी विधि) का प्रयोग किया गया है। इसमें विद्यार्थियों का सामाजिक परिवेश, संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के माध्य सार्थक संबंधों का अध्ययन किया गया है।

5.7 शोध में प्रयुक्त उपकरण

इस शोध में विद्यार्थियों के सामाजिक परिवेश को ज्ञात करने के लिये मनोवैज्ञानिक प्रोफेसर आर.पी. शर्मा, पी.सी. सक्सेना और डॉ. उषा मिश्रा द्वारा निर्मित सामाजिक आर्थिक स्थिति (तालिका) इन्वेन्ट्री टूल का उपयोग करके वास्तविक सामाजिक परिवेश की जानकारी प्राप्त की है। शोध में विद्यार्थी का संवेगात्मक बुद्धि को ज्ञात करने के लिये मनोवैज्ञानिक डॉ. अनीता सोनी एवं अशोक शर्मा द्वारा निर्मित संवेगात्मक बुद्धि परीक्षण टूल का उपयोग करके विद्यार्थियों की वास्तविक संवेगात्मक बुद्धि की जानकारी प्राप्त की है। शोध

हेतु विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि जानने के लिये अर्द्धवार्षिक परीक्षाफल को विद्यालय के प्रशासनिक विभाग से प्राप्त किया गया है।

5.8 शोध में प्रयुक्त सांख्यिकीय विधि

प्रस्तुत शोध हेतु कार्ल पियर्सन गुणांक विधि का प्रयोग किया है। दो चरों के मध्य अंतर देखने हेतु 'टी' टेस्ट (क्रांतिक अनुपात) मध्यमान की विचलन त्रुटि, सहसंबंध की सार्थकता ज्ञात करने हेतु उपयुक्त सूत्रों का उपयोग किया है।

5.9 शोध की सीमाएँ

1. प्रस्तुत शोध कार्य म.प्र. के भोपाल के शहरी क्षेत्र तक सीमित है।
2. प्रस्तुत शोध कार्य में विद्यार्थियों की आयु 14 से 18 वर्ष के बीच है।
3. प्रस्तुत शोध कार्य में 9वीं कक्षा के विद्यार्थियों को ही सम्मिलित किया गया है।
4. प्रस्तुत शोध कार्य शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में किया गया है।
5. प्रस्तुत शोध कार्य में सी.बी.एस.ई. विद्यालय एवं एम.पी.बोर्ड विद्यालय के विद्यार्थियों का चयन किया गया है।
6. प्रस्तुत शोध कार्य में विद्यार्थियों का सामाजिक परिवेश, संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के साथ क्या पारस्परिक संबंधो और अन्तरो का अध्ययन किया गया है।
7. प्रस्तुत शोध कार्य में कुल 99 छात्रों को शामिल किया गया है।

5.10 शोध निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध संख्यात्मक प्रकार का शोध है यह शोध एक व्यवहारिक शोध है प्रस्तुत शोध कार्य में शोधार्थी द्वारा शोध उद्देश्य के आधार पर किया गया। शोध कार्य से परिणामों की व्याख्या तथा सार्थकता की जाँच जिसमें सहसंबंध गुणांक तथा मध्यमानों का अंतर ज्ञात किया गया।

प्रस्तुत शोध में पाया गया कि सामाजिक परिवेश एवं संवेगात्मक बुद्धि के मध्य ऋणात्मक सहसंबंध, सामाजिक परिवेश एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक सहसंबंध तथा संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक सहसंबंध पाया गया है जो किसी भी चरों के मध्य सार्थकता स्तर को नहीं दर्शाता है तथा छात्र–छात्राओं का सामाजिक परिवेश, संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया है, परन्तु शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों का सामाजिक परिवेश के मध्य 0.05 स्तर पर सार्थक पाया गया है और शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों के संवेगात्मक बुद्धि के मध्य 0.01 स्तर पर सार्थक पाया गया तथा शासकीय एवं अशाकीय विद्यालय के विद्यार्थियों का शैक्षिक उपलब्धि के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया है।

प्रस्तुत शोध हेतु ज्ञात होता है कि शैक्षिक उपलब्धि को बढ़ाने के लिये अनेक सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक कारण होते है परन्तु इस शोध में विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि को सामाजिक परिवेश एवं संवेगात्मक बुद्धि में मापा गया है एवं इस शोध अनुसार निष्कर्ष में पाया गया कि शैक्षिक उपलब्धि को बढ़ाने के लिये विद्यार्थियों के मध्य सामाजिक परिवेश एवं संवेगात्मक बुद्धि का होना आवश्यक नहीं है।

5.11 भावी शोध हेतु सुझाव

प्रस्तुत शोध में शोधार्थी द्वारा किया गया प्रयास जिसमें चर सामाजिक परिवेश, संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध जानने का प्रयास किया गया, परन्तु समय सीमा कम होने के कारण सार्थक स्तर पर नहीं पहुँचने के कारण भविष्य में किये जाने वाले शोध की संभावना निम्न है।

1. प्रस्तुत शोध कार्य भोपाल के शहरी क्षेत्र तक सीमित है। इस शोध को नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्र का तुलनात्मक अध्ययन किया जा सकता है।

2. प्रस्तुत शोध कार्य में विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करने वाले अन्य सामाजिक कारणों का अध्ययन किया जा सकता है।

3. प्रस्तुत शोध कार्य में विद्यार्थियों की सामाजिक समानता एवं संवैधानिक प्रावधानों का शैक्षिक उपलब्धि के साथ गुणात्मक अध्ययन किया जा सकता है।

4. विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के साथ अन्य मनोवैज्ञानिक चरों का सहसंबंध तथा अध्ययन किया जा सकता है।